Parts of Computer

कंप्यूटर के अंगो के नाम

Parts of Computer in Hindi | कंप्यूटर के अंगो के नाम

कंप्यूटर के कुछ main parts होते हैं कुछ main parts जैसे कंप्यूटर केस,मॉनिटर, कीबोर्ड, माउस और पॉवर कार्ड, यह all parts बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं जब आप कंप्यूटर का उपयोग करते हैं इसी लिए हमें computer parts ke naam की जानकारी होना आवश्यक हो जाता है|

कंप्यूटर केस (Computer Case)

कंप्यूटर केस मेटल और प्लास्टिक का एक box होता है जो कंप्यूटर के प्रमुख पार्ट्स को रखता है कंप्यूटर केस के अंदर कुछ पार्ट्स होते हैं जिनका नाम है – Motherboard, Central Processing Unit (CPU), RAM, HDD और power supply.

Computer case के सामने की और आपको On/Off बटन और ऑप्टिकल ड्राइव स्लॉट होते हैं| कंप्यूटर के केस अलग अलग प्रकार के shape और size में आते हैं, desktop case को आप किसी भी समतल डेस्क पर मॉनिटर के साथ रखकर उपयोग कर सकते हैं|

मॉनिटर (Monitor)

मॉनिटर विडियो कार्ड के साथ कार्य करते हैं मॉनिटर का उपयोग कर आप image और text को मॉनिटर स्क्रीन पर देख सकते हैं, अधिकतर मॉनिटर में आपको control button मिलता है जिनका उपयोग कर आप मॉनिटर को डिस्प्ले सेटिंग को बदल सकते हैं , कुछ मॉनिटर में आपको स्पीकर की भी सुविधा मिलती है|

नए मॉनिटर में आपको LCD (liquid crystal display) या LED (light emitting diode) डिस्प्ले मिलता है, यह मॉनिटर बहुत ही पतले होते हैं और इन्हें फ्लैट पैनल डिस्प्ले भी कहते हैं|

पुराने मॉनिटर में आपको CRT (cathode ray tube) डिस्प्ले देखने को मिलती थी, crt monitor बहुत बड़े और भारी होते थे और lcd की तुलना में बहुत अधिक स्थान घेरते थे|

कीबोर्ड (Keyboard)

Computer keyboard कंप्यूटर से communicate करने के लिए एक मुख्य डिवाइस है कीबोर्ड बहुत प्रकार के होते हैं किन्तु इनका कार्य एक ही होता है वह है यूजर को कंप्यूटर से communicate करने की सुविधा प्रदान करना|

कीबोर्ड का उपयोग कर आप कंप्यूटर पर typing कर सकते हैं एवं कुछ shortcut keys का उपयोग कर specific task कर सकते हैं जैसे की my computer open करना, डॉक्यूमेंट से जुड़े कार्य, कोड लिखना, प्रोग्राम ओपन करना स्टार्ट मेनू open करने जैसे कई कार्य computer keyboard की सहायता से किए जाते हैं|

माउस (Mouse)

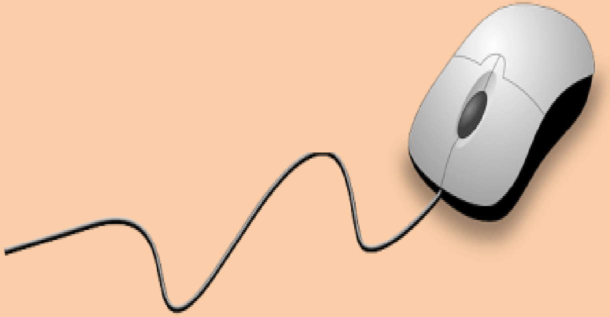

माउस यूजर और कंप्यूटर के बीच communication का एक प्रमुख माध्यम है इसे पोइंटिंग डिवाइस भी कहते हैं यह आपको screen में दिख रहे object को point करने की सुविधा प्रदान करता है जिसे आप click कर सकते हैं और move भी कर सकते हैं|

माउस दो प्रकार के होते हैं, ऑप्टिकल माउस और मैकेनिकल माउस

ऑप्टिकल माउस LED Light कर उपयोग करती है पॉइंटर को एक स्थान से दुसरे स्थान तक ले जाने के लिए , जबकि मैकेनिकल माउस में rolling ball का उपयोग किया जाता है जो movement को डिटेक्ट करती है |

यदि आप अपने computer case के आगे और पीछे के हिस्से को देखेंगे तो आपको बहुत से ports, button और slots देखने को मिलते हैं, विभिन्न कंप्यूटर पर यह पोर्ट्स, बटन और स्लॉट की संख्या भिन्न भिन्न होती है|

Front of Computer Case

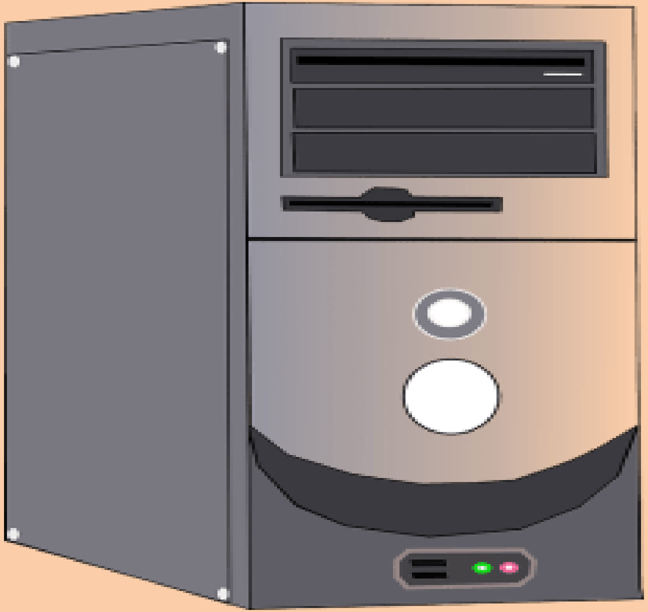

Back of Computer Case

कंप्यूटर के पीछे के भाग को **Back Panel** कहा जाता है , बैक पैनल में आपको कनेक्शन के पोर्ट्स दिखाई देते हैं जो कुछ विशेष डिवाइस के लिए बनाई गयी है |

इनके स्थान कंप्यूटर पर भिन्न भिन्न हो सकते हैं बहुत से कंपनियों के अपने कुछ special connector होते हैं , कुछ पोर्ट का colour code भी होता है जिससे यह जानने में आसानी होती है कि उनका उपयोग कब और किन स्थितियों में किया जाएगा |

बेसिक कंप्यूटर सेटअप में आपको कंप्यूटर केस (computer case), मॉनिटर (monitor), कीबोर्ड (keyboard), और माउस (mouse) देखने को मिलता है किन्तु आप बहुत से भिन्न भिन्न प्रकार के डिवाइस को पोर्ट्स की सहायता से अपने कंप्यूटर से जोड़ सकते हैं जिन्हें peripherals कहा जाता है|

Computer ke parts ke name (peripherals)

प्रिंटर (Printer)

प्रिंटर का उपयोग किसी भी फोटो, डॉक्यूमेंट एवं अन्य, जो आपके कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देते हैं उन्हें पेपर पर छापने के लिए उपयोग किया जाता है|

प्रिंटर के बहुत से प्रकार होते हैं जैसे inkjet, laser और photo printer. अब all in one प्रिंटर भी आने लगे हैं जिनका उपयोग आप डॉक्यूमेंट को scan और copy करने के लिए भी कर सकते हैं|

स्कैनर (Scanner)

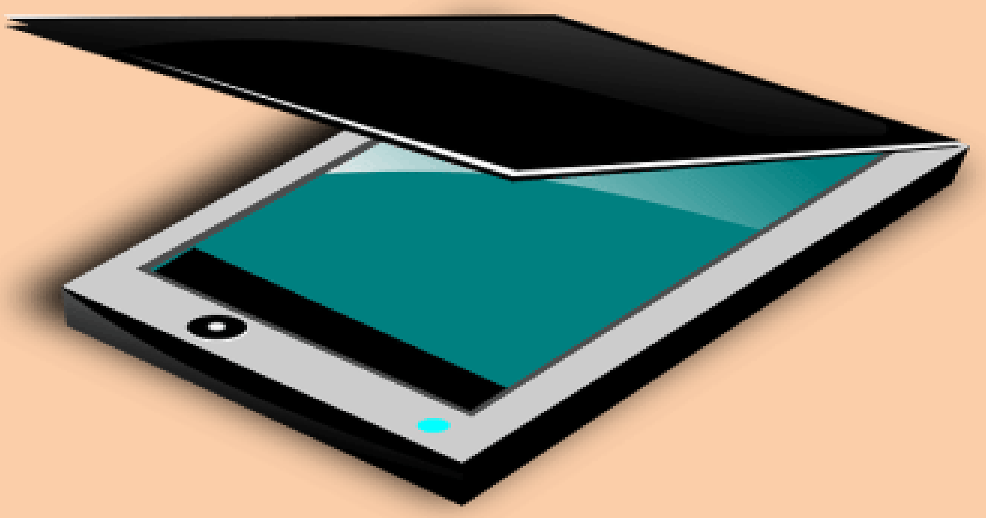

स्कैनर किसी भी physical image या document की copy बना कर कंप्यूटर पर डिजिटल रूप में सेव करने की सुविधा प्रदान करता है |

बहुत से स्कैनर all in one printer का पार्ट होते हैं किन्तु आप इन्हें अलग से भी खरीद सकते हैं |

स्पीकर (Speaker)

स्पीकर एक output device होता है जो आपको sound और music सुनने में सहायता करता है, यदि कंप्यूटर से किसी भी प्रकार का sound output आपको चाहिए तो आपको हैडफ़ोन या माइक्रोफोन का उपयोग करना होगा|

आपके स्पीकर के मॉडल के आधार पर आप इसे usb port या audio port से जोड़ सकते हैं|

माइक्रोफोन (Microphone)

माइक्रोफोन एक input device है जो यूजर के द्वारा दिए गए जानकारी को कंप्यूटर तक पहुचाता है आप माइक्रोफोन का उपयोग कर अपनी आवाज रिकॉर्ड कर सकते हैं या इन्टरनेट के माध्यम से कंप्यूटर पर किसी से बात कर सकते हैं|

बहुत से computer और laptop पर माइक्रोफोन in built होते हैं|

वेब कैम (Web Cam)

webcam एक इनपुट डिवाइस है जो आपको कंप्यूटर पर विडियो रिकॉर्ड करने व फोटो लेने की सुविधा प्रदान करता है इसका उपयोग आप विडियो कॉल करने के लिए भी कर सकते हैं|

बहुत से webcam, माइक्रोफोन के साथ आते हैं|

गेम कंट्रोलर (Game Controller)

Game controller या joystick कंप्यूटर पर गेम खेलने के लिए उपयोग किये जाते हैं, market में बहुत से प्रकार के controller उपलब्ध हैं आप गेम खेलने के लिए कीबोर्ड और माउस का भी उपयोग कर सकते हैं|

ऑप्टिकल डिस्क ड्राइव (Optical Disk Drive)

ऑप्टिकल डिस्क ड्राइव कंप्यूटर के फ्रंट में होती है, ऑप्टिकल ड्राइव का उपयोग कर आप cd/dvd द्वारा विंडोज इनस्टॉल करना, सॉफ्टवेयर इंस्टाल, विडियो, ऑडियो,मूवीज देखना आदि कार्य कर सकते हैं|

आप blank cd/dvd का उपयोग कर अपने कंप्यूटर के software, movies, video, audio को ऑप्टिकल डिस्क ड्राइव की सहायता से cd/dvd में स्थापित (write) भी कर सकते हैं|

डिजिटल कैमरा (Digital Camera)

डिजिटल कैमरा आपको फोटो और विडियो लेने की सुविधा प्रदान करता है जिन्हें आप digital format में ले सकते हैं इस कैमरे को आपको अपने कंप्यूटर से जोड़ना होता है जिन्हें आप usb port के द्वारा जोड़ सकते हैं|

Mobile phone, Tablet और अन्य Devices

यदि आपके पास कोई मोबाइल टेबलेट या अन्य डिवाइस है जो usb port के साथ आता है तो आप उनका उपयोग अपने कंप्यूटर पर कर सकते हैं|

Inside parts of computer

क्या आपने कभी अपने कंप्यूटर के अंदर देखा है या देखने की कोशिश की है कि computer case के अन्दर आपको क्या मिलता है, आपको बहुत से छोटे छोटे कंप्यूटर पार्ट्स आपके कंप्यूटर पर देखने को मिलती है|

मदरबोर्ड (Motherboard)

Motherboard कंप्यूटर का main circuit board होता है, यह एक इलेक्ट्रॉनिक की thin plate होती है जो cpu, memory, को आपस में जोडती है, हार्डडिस्क और ऑप्टिकल ड्राइव जोड़ने के लिए इनमे connectors होते हैं एक्सपेंशन कार्ड motherboard पर होते हैं जिससे कि audio और video को control किया जा सके.

बेक panel पोर्ट्स भी connector की सहायता से motherboard से जुड़े होते हैं, प्रत्यक्ष (directly) या अप्रत्यक्ष (indirectly) मदरबोर्ड, कंप्यूटर के सभी पार्ट्स से जुड़े (connect) रहते हैं|

प्रोसेसर (CPU/Processor)

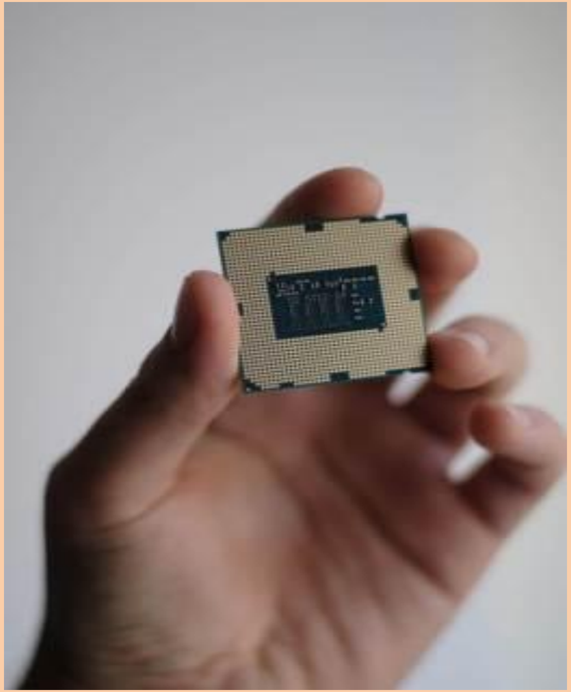

CPU जिसे Processor भी कहा जाता है वह कंप्यूटर के अन्दर पाया जाता है जो कि मदरबोर्ड से जुड़ा होता है.

बहुत से लोग प्रोसेसर को **brain of the computer** भी कहते हैं|

प्रोसेसर का काम कंप्यूटर पर आपके द्वारा दिए गए command को पूरा करना होता है, जब भी आप कोई key press करते हैं या माउस से click करते हैं या कोई software को ओपन करते हैं तो आप cpu को एक instruction signal भेजते हैं| सी.पी.यू 2 इंच का एक ceramic box होता है जिसमे सिलिकॉन की चिप लगी होती है जो उसके अन्दर होती है|

CPU Motherboard के CPU Socket में लगाया जाता है जो एक heatsink से cover किया जाता है जो cpu से उसकी गर्मी बाहर निकालता है|

प्रोसेसर की speed को Megahertz या Gigahertz से दर्शाया जाता है, एक fast processor आपके द्वारा दिए गए निर्देशों का तेजी से पालन कर सकता है|

कंप्यूटर की speed उसके सभी components पर निर्भर करती है न की केवल processor पर निर्भर करता है |

रैम (RAM)

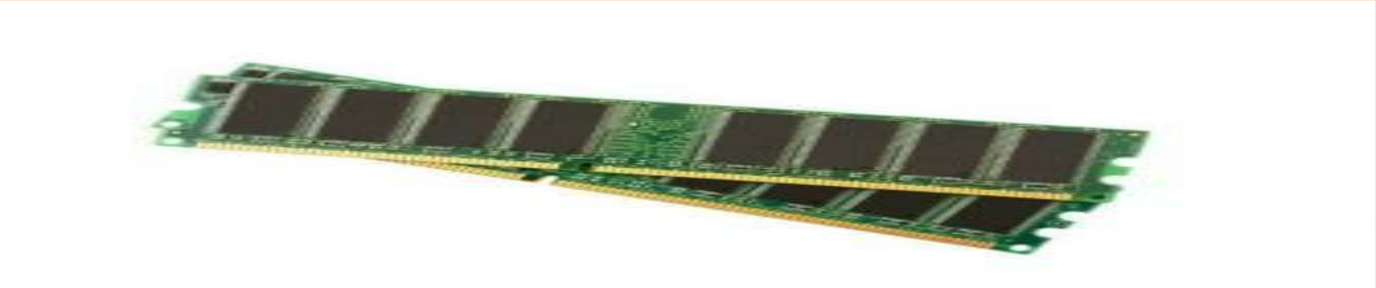

Random Acess Memory आपके कंप्यूटर की short term memory होती है जब भी आपका कंप्यूटर कोई कैलकुलेशन परफॉर्म करता है तो data टेम्परारी तौर पर RAM में Store होती है जब तक उनकी आवश्यकता होती है या जब तक कि कंप्यूटर को shutdown या restart न किया जाए. यदि आप किसी डॉक्यूमेंट, एक्सेल शीट और किसी अन्य फाइल पर कार्य कर रहे हैं तो आपको इन्हें save करना आवश्यक है जब आप अपनी फाइल सेव करते हैं तो आपका data कंप्यूटर के हार्ड डिस्क में store हो जाता है जो की एक long term memory होती है|

RAM को Megabytes (MB) या Gigabytes (GB) से मापा जाता है जितनी अधिक RAM आपके कंप्यूटर पर होगी उनते ही अधिक कार्य एक समय में आप अपने कंप्यूटर पर कर सकेंगे| यदि आपको कंप्यूटर पर पर्याप्त RAM नहीं होती है तो आपको आपके कंप्यूटर पर lag दिखाई देगा, कंप्यूटर प्रोग्राम ठीक से कार्य नहीं करेंगे जब आप एक समय पर एक से अधिक software को open करने की कोशिश करेंगे|

बहुत से लोग कंप्यूटर की performance को बढ़ाने के लिए अधिक RAM का उपयोग करते हैं|

हार्ड डिस्क (Hard Disk)

हार्ड डिस्क long term memory है इसे secondary storage device भी कहा जाता है, हार्ड डिस्क software, files, documents, photo, video आदि store करने के लिए उपयोग किया जाता है |

इसमें कंप्यूटर के बंद (off/shutdown) होने के बाद भी आपके कंप्यूटर पर data (save) सुरक्षित रहता है| जब आप किसी प्रोग्राम को run करते हैं या किसी file को ओपन करते हैं तो कंप्यूटर कुछ data हार्ड डिस्क से रैम में store कर देता है और जब आप फाइल को save करते हैं तो data फिर से hard disk में copy कर दिया जाता है|

आपकी हार्ड डिस्क जितना अधिक fast होगा आपके कंप्यूटर का startup और program की loading भी उतनी अधिक तेजी से होगा|

पी.एस.यू. PSU (Power Supply Unit)

Power Supply Unit AC Power को DC Power में convert करता है जो कंप्यूटर को पॉवर देने के लिए उपयोग में लाया जाता है, यह केबल के द्वारा motherboard और दुसरे components को पॉवर supply करता है|

एक्सपेंशन कार्ड (Expansion Card)

ज्यादातर कंप्यूटर Motherboard में एक्सपेंशन स्लॉट पाए जाते हैं जिनका उपयोग बहुत प्रकार के एक्सपेंशन कार्ड के लिए उपयोग किया जा सकता है|

इन्हें PCI कार्ड भी कहा जाता है आपको कभी पीसीआई कार्ड का उपयोग ही न करना पड़े, कारण यह है कि ज्यादातर motherboard में in built video, sound, network और अन्य सुविधाए प्रदान कर दी जाती हैं|

यदि आप अपने कंप्यूटर की परफॉरमेंस को बढ़ाना चाहते हैं तो आप आपने कंप्यूटर में एक दो कार्ड्स लगा सकते हैं |

विडियो कार्ड (Video Card)

विडियो कार्ड के कारण ही आप मोनिटर (monitor) पर दृश्य देख सकते हैं बहुत से कंप्यूटर पर GPU (graphics processing unit) in built होता है|

यदि आपको high graphic गेम खेलने हैं तो आप एक fast विडियो कार्ड या graphic card लगा सकते हैं जिससे आपके कंप्यूटर की graphic performance बढ़ जाती है |

साउंड कार्ड (Sound Card)

साउंड कार्ड जिसे audio card भी कहा जाता है यह आपके कंप्यूटर पर साउंड प्रदान करने का कार्य करता है आप साउंड कार्ड के माध्यम से ही स्पीकर या हैडफ़ोन पर गाने सुनते हैं|

ज्यादातर motherboard में साउंड कार्ड in built आते हैं किन्तु आप बेहतर साउंड क्वालिटी के लिए साउंड कार्ड खरीद कर अपने कंप्यूटर के एक्सपेंशन स्लॉट पर लगा सकते हैं|

नेटवर्क कार्ड (Network Card)

नेटवर्क कार्ड आपको अपने कंप्यूटर पर इन्टरनेट acess करने की सुविधा प्रदान करता है| नेटवर्क कार्ड की सहायता से आप networking कर, एक कंप्यूटर को नेटवर्क से जोड़ सकते हैं और इन्टरनेट भी acess कर सकते हैं|

नेटवर्क कार्ड को आप ethernet cable या wireless के माध्यम से जोड़ सकते हैं, ज्यादातर motherboard में built in network chip होते हैं आप चाहें तो अलग से भी नेटवर्क कार्ड अपने कंप्यूटर पर एक्सपेंशन कार्ड के माध्यम से इनस्टॉल कर सकते हैं|

ब्लूटूथ (Bluetooth)

ब्लूटूथ एक wireless technology का हिस्सा है जो छोटी दुरी पर communicate करने के लिए बनाया गया है|

ब्लूटूथ का उपयोग ज्यादातर wireless keyboard, mouse और printer जैसे devices को जोड़ने के लिए किया जाता है|

ब्लूटूथ motherboard में in built होते हैं या wireless नेटवर्क कार्ड के साथ आते हैं| यदि आपके कंप्यूटर पर bluetooth नहीं है तो आप bluetooth usb adapter खरीद भी सकते हैं|

Thanks For Watching

इसी के साथ हमारा यह अध्याय यहीं समाप्त होता है।

जय हिन्द